

प्रेषक,

पी०के० महान्ति,

सचिव

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता

ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा

उत्तराखण्ड देहरादून।

पंचायती राज एवं ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा अनुभाग: देहरादून

दिनांक 31 सितम्बर 2007

विषय:- शासन द्वारा वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु अनुमोदित अधिष्ठान आय-व्ययक के सापेक्ष अवशेष मदों में धन का आवंटन।

महोदय,

उपरोक्त विषयक अपने पत्र संख्या 733/दो-लेखा-01/30 बजट/2007-08 दिनांक 31 अगस्त 2007 का संन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

2. उक्त के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक के अन्तर्गत कुल रुपये 28,43,000-00 (अठाईस लाख तैतालिस हजार मात्र) निम्नलिखित अवचनबद्ध मानक मदों में व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

क्र०सं०	मानक मद	अवमुक्त की जा रही धनराशि (हजार रुपये में)
1.	05 स्थानान्तरण यात्रा व्यय	268
2.	11-लेखन सामग्री और फार्मों की छपाई	200
3.	12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	150
4.	16-व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिये भुगतान	100
5.	27-चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	475
6.	44-प्रशिक्षण व्यय	300
7.	45-अवकाश यात्रा व्यय	500
8.	46-कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्ट वेयर का क्रय	500
9.	47-कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्सम्बन्धी स्टेशनरी का क्रय	350
	योग:-	2843

(अठाईस लाख तैतालिस हजार मात्र)

3. उक्त धनराशि का किसी भी दशा में व्यवर्तन नहीं किया जायेगा तथा सम्बन्धित अधिष्ठान हेतु आवश्यकतानुसार फांट अपने स्तर से किया जाय।

4. उक्त आवंटित धनराशि का आहरण एक मुश्त न कर आवश्यकतानुसार मासिक व्यय की सारणी बनाकर ही किया जाय।

5. इसे केवल चालू कार्यों के लिये ही व्यय किया जायेगा।

6. उक्त आवंटित धनराशि का व्यय शासन द्वारा समय-समय पर जारी/जारी होने वाले भित्तव्ययता सम्बन्धी आदेशों को ध्यान में रखकर किया जाय तथा व्यय आवंटित धनराशि की सीमा तक ही रखा जाय।

कमश: 2 पर.....

7. निर्माण कार्य एवं सामग्री क्रय हेतु धनराशि व्यय करने से पूर्व वित्तीय नियमों के अन्तर्गत आगणन इत्यादि पर सक्षम अधिकारी से प्रशासनिक/प्राविधिक स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा धनराशि का आहरण आवश्यकतानुसार वित्तीय नियमों के अन्तर्गत ही किया जाय।
8. उक्त आवंटित धनराशि के व्यय की संकलित सूचना प्रपत्र-बी0एम0-13 पर प्रत्येक माह की 7 वीं तिथि तक शासन को उपलब्ध करा दी जाय।
9. वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक में विभिन्न मदों में प्राविधानित धनराशि की सीमा तक ही व्यय किया जाय।
10. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-19 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2515-अन्य ग्राम विकास कार्यक्रम-आयोजनेत्तर-800-अन्य व्यय-03 ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा की सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामें डाला जायेगा।
11. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 190 (NP)/XXVII(1)/2007 दिनांक 24 सितम्बर 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,  
(पी0के0महान्ति)  
सचिव।

संख्या 154 /XII/2007/83(04)/2003 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड देहरादून।
2. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
3. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
4. अधीक्षण अभियन्ता, ग्रा0अ0से0, परिमण्डल, पौड़ी गढ़वाल/नैनीताल।
5. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें उत्तराखण्ड, 23 लक्ष्मी रोड, देहरादून।
6. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन को मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।
8. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-4 उत्तराखण्ड शासन।
9. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय देहरादून।
10. गार्ड फाईल।

आज्ञा से  
(अतर सिंह)  
उप सचिव।